18

जाड़ा, गरमी और बरसात

27K1HE

किट–किट किट–किट बजते दाँत,
निकल न पाती मुँह से बात।
थर–थर थर–थर काँपे हम,
आया जाड़ा ठिठुरे हम।।

सनन–सनन लू चलने लगती,
गरम तवे–सी धरती जलती।
आओ खाएँ बर्फ मलाई,
गरमी आई गरमी आई।।

बूँदें गिरतीं छम–छम–छम,
बिजली चमकी चम–चम–चम।
पानी बरसा टप–टप–टप,
चलो नहाएँ छप–छप–छप।।

– सूर्य कुमार पाण्डेय

अभ्यास

1. वाक्य पढ़ो और ऋतु का नाम लिखो–

(क) जस्सी रेनकोट स्कूल में ही छोड़ आई। .....

(ख) कमलेश कंबल ओढ़ कर सोया था। .....

(ग) माँ ने कहा– बाहर न जाओ, लू लग जाएगी। .....

2. पढ़ो और लिखो –

ऋतु	क्या करें ?	क्या न करें ?
जाड़े में	.....	.....
गरमी में	.....	.....
बरसात में	.....	.....

3. जया को जाड़े के मौसम में कुछ दिनों के लिए बाहर जाना है। बताओ और लिखो– वह अपने बैग में क्या–क्या रखे ?

.....

.....

.....

.....

4. पढ़ो, समझो और पूरा करो–

गोकुल को गरमी भाती है, सूफी को सरदी।

गरमी में तो–
कुल्फी, शरबत .....
.....अहा !

गरमी में तो–
लौकी, बैंगन .....
..... अहा!

गरमी में तो –
तरबूज, खरबूज .....
.....अहा !

गरमी में तो –
नेकर, फ्रॉक .....
..... अहा !

सरदी में तो –
सूप, जूस .....
..... अहा!

सरदी में तो–
गाजर, गोभी .....
..... अहा!

सरदी में तो–
चीकू, अमरूद .....
..... अहा !

सरदी में तो –
स्वेटर, मफलर .....
..... अहा!

- खाली स्थान में बच्चों को अन्य चीजें भरवाएँ। टोली बनाकर अभिनय कराएँ।